Raj Express (Indore), 07th July 2025, Page - 04

उपलब्धि

ऐसी प्रौद्योगिकियों की रख रहे नींव जो हमारे भविष्य को देगी आकार

निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के इनोवेटर्स एक छत के नीचे

■ 99 देशों से 10 हजार से अधिक शोध पत्र हुए प्रस्तुत
■ मप्र से करीब 200

● इंदौर / राज न्यूज नेटवर्क

आईआईटी इंदौर कम्प्यूटिंग, संचार और नेटवर्किंग प्रौद्योगिकी पर 16वें आईट्रिपलई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईट्रिपलसीएनटी-2025) की मेजबानी कर रहा है। 99 देशों से 10 हजार से अधिक शोध पत्र प्रस्तुत किए गए और 900 अंतर्राष्ट्रीय प्रविष्टियों के साथ, यह वैश्विक शैक्षणिक भागीदारी दोनों में नए मानक स्थापित करता है। इसमें प्रदेश के करीब 200 शोधपत्र प्रस्तुत किए जा रहे हैं। रविवार से शुरु हुआ स म्मेलन 11 जुलाई तक हाइब्रिड प्रारूप में डिजिटल युग में अनुसंधान सहयोग और उद्योग जुड़ाव की उभरती गतिशीलता को दर्शाता है। इस वर्ष के संस्करण की खासियत उद्योग प्रदर्शनी है। पहली बार, आईट्रिपलसीएनटी ने अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों और उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के इनोवेटर्स को एक छत

के नीचे एक साथ लाया है। प्रदर्शनी स्थल में लाइव प्रोडक्ट डेमो, स्टार्टअप शोकेस और अनुसंधान व उद्योग के बीच पुल को मजबूत करने के लिए डिजाइन किए गए सहयोगी जुड़ाव शामिल हैं। आईट्रिपलसीएनटी का फोकस स्पष्ट है जो सार्थक संवाद को बढ़ावा देना, अत्याधुनिक सहयोग को सक्षम बनाना और उन प्रौद्योगिकियों की नींव रखना जो हमारे भविष्य को आकार देंगी।

6 जी और अगली पीढ़ि के लिए स्मार्ट सिस्टम : यह क म्प्यूटिंग, संचार और नेटवर्किंग प्रौद्योगिकियों की सीमाओं की खोज व विस्तार के लिए प्रतिबद्ध है। इसमें तकनीकी सत्र, व्यावहारिक कार्यशालाएं और पैनल चर्चाएं की जा रही है। इस वर्ष के विषय आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, साइबर सुरक्षा, 6 जी और अगली पीढ़ी के स्मार्ट सिस्टम हैं। यह पहला मौका है जब इंदौर में यह कांफ्रेंस आयोजित की जा रही है। इस इस रिकॉर्ड-ब्रेकिंग संस्करण के पीछे नेतृत्व में आईआईटी इंदौर के कांफ्रेंस चेयर प्रो. सूर्य प्रकाश, यूनिवर्सिटी ऑफ विस्कॉन्सिन, यूएसए के कांफ्रेंस को-चेयर प्रो. प्रकाश दुरैसामी और कोंगू इंजीनियरिंग कॉलेज के ऑर्गनाइजिंग चेयर- ऑफलाइन प्रो. मुरुगेसन के. शामिल है।

अकादमिक उत्कृष्टता और नवाचार के लिए पहचान : आईआईटी इंदौर में आयोजित यह कार्यक्रम अपनी अकादमिक उत्कृष्टता और नवाचार के लिए पहचाने जाने वाले राष्ट्रीय महत्व के संस्थान हैं। प्रौद्योगिकी विमर्श के लिए वैश्विक केंद्र के रूप में भारत की बढ़ती प्रमुखता को रेखांकित करता है। खास बात यह भी है कि ओरिएंटल यूनिवर्सिटी, इंदौर के साथ अकादमिक सहयोग किया गया है। यह क्षेत्रीय साझेदारी भारत के शोध पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने में स्थानीय-वैश्विक अकादमिक गठबंधनों के बढ़ते महत्व को रेखांकित करती है।

अनुसंधान और वास्तविक दुनिया के प्रभाव के बीच पुल

प्रदर्शनी अध्यक्ष प्राची गर्ग ने बताया यह प्रदर्शनियां केवल प्रौद्योगिकी के प्रदर्शन के बारे में नहीं हैं बल्कि अनुसंधान और वास्तविक दुनिया के प्रभाव के बीच पुल बनाने के बारे में हैं। इनोवेटर्स को जुड़ने, सहयोग करने और भविष्य का सह-निर्माण करने के लिए एक मंच प्रदान करते हैं। सेशंस और प्रदर्शनियों के रूप में व्यावहारिक कार्यशालाएं हैं जो रोबोटिक्स, मशीन लर्निंग टूल और ऑटोमेशन सिस्टम पर चर्चा करती हैं। यह छात्रों, शोधकर्ताओं और पेशेवरों के लिए व्यावहारिक अनुभव प्रदान करती हैं। इस वर्ष के पैनल व्यापक सामाजिक और नैतिक आयामों की भी खोज कर रहे हैं, जैसे कि स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर में स्थिरता और जि मेदार एआई डेवलपमेंट।

यह भविष्य के लिए तैयार नवाचार के लिए उत्प्रेरक

मीडिया से बात करते हुए प्रो. सूर्य प्रकाश ने कहा, हमें एक वैश्विक समुदाय की मेजबानी करने का मौका मिला है जो इंटेलीजेंस और नेटवर्क सिस्टम के भविष्य को आकार दे रहा है। प्रो. दुरैसामी ने कहा आईट्रिपलसीएनटी एक स म्मेलन से कहीं अधिक है। यह भविष्य के लिए तैयार नवाचार के लिए उत्प्रेरक है। अकादमिक कठोरता और उद्योग प्रासंगिकता का इसका अनूठा मिश्रण इसे कल की प्रौद्योगिकियों को आकार देने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच बनाता है।